नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान वि.वि. के नवीन प्रशासनिक परिसर में पंचम दीक्षांत समारोह के आयोजन की युद्वस्तर पर तैयारियाँ

महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति जी की अनुमति से नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर का पंचम दीक्षांत समारोह दिनांक 21 फरवरी, 2019 प्रातः 11 बजे आयोजित किया जाना है। दीक्षांत समारोह का आयोजन नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन, पशुधन प्रक्षेत्र, अधारताल, जबलपुर के प्रांगण में आयोजित होगा। इस हेतु संयुक्त पशुधन प्रक्षेत्र का मरम्मत एवं नवीनीकरण कार्य प्रगति पर है।

महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदी बेन पटेल जी के आगमन पर उन्हें विश्वविद्यालय की 1–मध्यप्रदेश रिमाउंट एण्ड विटनरी स्क्वार्डन कमान के छात्रों द्वारा ''गार्ड ऑफ ऑनर'' से सम्मानित किया जावेगा तथा छात्राओं की एक टोली क्षेत्रीय नृत्य प्रस्तुत करेगी।

विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षांत समारोह में नवनिर्मित प्रशासनिक भवन का लोकापर्ण, महामहिम कुलाधिपति, विशिष्ट अतिथियों एवं छात्र–छात्राओं द्वारा नवीन निर्धारित गणवेश (जैकिट एवं भारतीय वेशभूशा,) धारण के साथ कुल 498 छात्र–छात्राओं की उपाधि प्रदान किया जाना है। उपाधि धारकों में 350 स्नातक (बी.व्ही.एस.सी. एंड ए.एच.), 105 स्नातकोत्तर (एम.व्ही.एस.सी.), 8 पी.एच.डी. एवं 35 स्नातक (बी.एफ.एस.सी.) है। दीक्षांत समारोह में 113 स्नातकोत्तर एवं पी.एच.डी. छात्र–छात्राओं को महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति जी के करकमलों द्वारा मंच पर उपाधि प्रदान की जानी है। 385 स्नातक छात्र–छात्राओं को महामहिम के उद्घोश के साथ अपने स्थान पर एक साथ खड़े होने का संदेश देकर उपाधि प्रदान की जावेगी। इसी के साथ 8 स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र/छात्राओं क्रमशः महावेश हीरा खान (दो स्वर्ण पदक), ओम प्रकाश पटेल, शशि भारती, रागिनी मिश्रा, अंकिता विश्वकर्मा, स्वाति सुमन एवं अनुश्री तिवारी, को स्वर्ण पदक से मंच पर अलंकृत किया जाना है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा दीक्षांत समारोह में ''मानद उपाधि'' हेतु डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव, अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड, नई दिल्ली एवं डॉ. एम.सी. वार्ष्णेय, पूर्व कुलपति, आनंद पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, आनंद एवं कामधेनु विश्वविद्यालय, गांधीनगर को प्रदान किया जाना प्रस्तावित है। इस अवसर पर दीक्षांत भाषण का उद्बोधन डॉ. त्रिलोचन महापात्रा, महानिर्देशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् एवं सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, नई दिल्ली द्वारा किया जाना प्रस्तावित है।